an>

Title: Regarding reported disclosure by news agency showing politicians and higher officials taking bribe on camera.

श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज) : अध्यक्ष जी, यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण है और हम सभी से जुड़ा हुआ है।

महोदया, संसद की अपनी गरिमा है। हम चाहे किसी भी दल के हों, हम चुनकर संसदीय लोकतंत्र में आते हैं। हमारी अपनी मर्यादा है। प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि यह लोकतंत्र का मंदिर है और हम सभी कभी देश के लोगों द्वारा पूजे जाते थे लेकिन जिस तरह से कुछ टीवी चैनल्स में दिखाया जा रहा है कि नोटो की गड्डियां लेकर सांसद अपनी जेब में रख रहे हैं। हमारे सदन में इससे पहले भी ऐसे वाकया हुए और समिति बनाकर जांच की गई। सीडी मंगवा कर सच सामने लाया गया तथा एक्शन लिया गया। 14वीं लोक सभा में 11 सांसदों को निकाला गया था। कोई अगर यह कहे कि आप हमें रुपये दो और हम लोबिंग करके मंत्री को, केंद्र सरकार को या राज्य सरकार को प्रभावित करेंगे और संसद में सवाल उठाएंगे। यह केवल उन सदस्यों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी संसद के लिए अमर्यादाकर है और शर्मनाक है।

महोदया, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि नारदा न्यूज़ डॉट कॉम से तमाम सीडी मंगवाओ और समिति बनाकर जांच करो। सीबीआई एफआईआर करे और उसके बाद लोगों को सच्चाई का पता चले। हमें शर्म आ रही है कि हम ऐसे लोगों के साथ बैठेंगे जो नोटों की गड्डियों से जेब भरेंगे। मैं समझता हूं कि सरकार को इस विषय को गंभीरता से लेना चाहिए। ... * ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठ जाएं, आपने अपनी बात सदन में कह दी है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मोहम्मद सलीम : हमें इन पर शर्म आती है। इन लोगों को ... * चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठ जाएं।

â€¦(व्यवधान)

श्री एस.एस.अहलुवालिया (दार्जिलिंग): माननीय अध्यक्ष महोदया, नागदा न्यूज़ डॉट कॉम एक न्यूज़ पोर्टल है। कल दोपहर से उन्होंने जो कुछ अपने न्यूज़ पोर्टल पर दिखाना शुरू किया, वह केवल दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि एक सांसद के लिए और भारतीय संसदीय प्रणाली के लिए एक लज्जाजनक बात भी है। जब मैंने देखा कि हमारे इसी सदन के पाँच सांसद इम्पैक्स कंसल्टेंसी के लिए लॉबिंग करने के लिए नोटों की गड्डियाँ लेते हुए नज़र आये। संविधान के आर्टिकल 105 के तहत हमें अधिकार है कि हम निर्भय-निर्भिक होकर हम अपनी बात सदन में रख सकें। हमें कोई भी प्रभावित न कर सके। यदि कोई प्रभावित करता है, तो उसे सजा दी जाती है। किन्तु हम खुद प्रभावित हों, तो हमें भी सजा होनी चाहिए।

हमने पिछले समय वर्ष 2005 और वर्ष 2006 में देखा है कि जब ऑपरेशन चक्रव्यूह और ऑपरेशन दुर्योधन के केस लाये गये, तो सांसदों का नाम आया और उन्होंने भी इसी तरह से प्रभावित होकर लोगों के लिए काम करने के एवज़ में पैसे लिये थे, तो इसी संसद ने उन लोगों को बर्खास्त किया था।

मैं आपके माध्यम से और पूरे सदन के माध्यम से आपसे मांग करता हूँ इस दुर्भाग्यपूर्ण और लज्जाजनक घटना के लिए इस विषय को एथिक्स कमेटी के सामने भेजा जाए और नागदा न्यूज़ डॉट कॉम का सारा रिकॉर्डिंग मंगाया जाए तथा इसकी जाँच-पड़ताल करके उचित कार्रवाई की जाए।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र एवं

डॉ. वीरेन्द्र कुमार को श्री एस.एस. अहलुवालिया द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

कृपया सब लोग न बोलें। आपकी पार्टी से एक व्यक्ति बोलें।

â€¦(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) : मैडम, बंगाल में घोटाले का सिलसिला जारी है। कल हम लोगों ने इसमें जो देखा है, उससे हम सब शर्मिंदा महसूस कर रहे हैं। यह पहले भी तहलका को लेकर हो चुका है। ...(*Interruptions*)â€¦* तहलका को लेकर त्याग-पत्र देना पड़ा था। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : किन्हीं का नाम नहीं लेना है।

â€¦(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: जो हुआ है, मैं वही बात कह रहा हूँ। ...(व्यवधान) मैं किसी के खिलाफ व्यक्तिगत रूप से कोई इल्ज़ाम नहीं लगा रहा हूँ। लेकिन जो कैमरा में कैद हो चुका है। जहाँ नोटों का बंडल लेकर सांसद चोरी-छिपे बात करते हैं, किसी को काम दिलाने के लिए, किसी को फेवर दिलाने के लिए, तो हमें यह देखना चाहिए कि इससे हम कैसे बचें क्योंकि इसका ताल्लुकात संसद की गरिमा से है। इससे संसद की गरिमा या मर्यादा क्षिण्ण होती है। इसलिए इसके ऊपर कड़ी से कड़ी जाँच होनी चाहिए और जो भी दोषी पाये जाएं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। यह हमारी मांग है।

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): Madam, I am sorry that I have to live this day to hear these things in Parliament. Madam, you know, ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Nobody has taken it up.

...(*Interruptions*)

PROF. SAUGATA ROY : Madam, you did not interrupt anybody else. Please let me just say. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I am not interrupting anyone.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज आप बैठिए।

...(*Interruptions*)

PROF. SAUGATA ROY: Madam, three Members of Parliament – one from CPM, one from Congress and one from BJP – have raised certain matters which had been shown on a TV channel. It pertains to certain allegations against Members belonging to our Party. I want first to know ...(*Interruptions*) I am not quite clear, Madam, under what Rule you allowed them to speak. Have they given ...(*Interruptions*)

SHRI MOHAMMAD SALIM: Under what Rule money was taken? ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग यह क्या कर रहे हैं? मो. सलीम बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri Mohammad Salim, please sit down.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: This will not go on record. I will not allow this.

...(*Interruptions*)â€¦ *

HON. SPEAKER: Shri Mohammad Salim, please sit down. This is not fair.

...(*Interruptions*)

PROF. SAUGATA ROY: This is not the way. Please sit down.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज आप बैठ जाइए। यह अच्छा नहीं है। मैंने आपको बोलने का पूरा मौका दिया था। Now let him speak. आपको भी यदि किसी नियम के अंतर्गत नहीं दिया है, आपने एडज़र्नमेंट मोशन का नोटिस दिया था, तो आप टोक नहीं सकते हैं।

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: What you are doing is not fair. मैंने आपको मौका दिया है।

You said whatever you wanted to say. वे भी नहीं बोल रहे हैं।

He is also not taking any name.

...(*Interruptions*)

PROF. SAUGATA ROY : Madam, just allow me for two minutes...(*Interruptions*) Madam, I think, the matter should not have been raised at all. If a Member had a complaint, he should have written to you and you could have given a decision. But I want to say that this is part of a political conspiracy before the West Bengal elections, where CPM, Congress and BJP are destined to lose; and the people who are raising this complaint...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Now, you have raised your point.

...(*Interruptions*)

PROF. SAUGATA ROY: People who are raising this issue...(*Interruptions*) One Member was arrested on murder charges and was put in jail...(*Interruptions*)

-

12.16 hours